नव भारत
1934 से

तेज रफ्तार कार ने दो आरक्षकों को कुचला

ड्यूटी के दौरान हादसा, नशे में धुत पुलिसकर्मी चालक गिरफ्तार

नव भारत न्यूज

इंदौर. राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात ड्यूटी पर तैनात दो आरक्षकों को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी. हादसे में एक आरक्षक गंभीर रूप से घायल हुआ है. दोनों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया है. कार चला रहा पुलिसकर्मी नशे में था, जिसे मौके से पकड़ लिया.

पुलिस के मुताबिक बीट बिजलपुर में आरक्षक प्रमोद त्यागी और भूरालाल जामले रात 10 बजे से सुबह 8 बजे तक गश्त पर थे. दुर्गानगर एबी रोड के पास दोनों बाइक से गश्त के दौरान खड़े थे, तभी तेज रफ्तार स्विफ्ट कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों आरक्षक उछलकर दूर जा गिरे. हादसे में भूरालाल जामले के पेट, सिर और पैरों में गंभीर चोट आई है, जबकि प्रमोद त्यागी के पैरों में चोट लगी

है. घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई. राहगीरों ने तत्काल दोनों घायलों को संभाला और पुलिस को सूचना दी. मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है.

थाना प्रभारी यशवंत बडोले ने बताया कि जांच में सामने आया कि कार डीआरपी लाइन में पदस्थ पुलिसकर्मी विजय चौहान चला रहा था. आरोपी पुलिसकर्मी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. मेडिकल जांच में शराब पीने की पुष्टि हुई है, आगे की कार्रवाई की जा रही है.

गिट्टी से भरे डंपर ने मां-बेटे को कुचला मौके पर मौत

इंदौर. सांवेर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार गिट्टी से भरे डंपर ने बाइक सवार मां-बेटे को कुचल दिया. डंपर इतनी स्पीड में था कि टक्कर के बाद पलट गया. दोनों मां-बेट उसके नीचे दब गए. हादसे के बाद इकट्ठे हुए ग्रामीणों ने आरोपी चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया.पुलिस के मुताबिक, देपालपुर के ग्राम नयाखेड़ा निवासी असलम पिता मुख्तयार पटेल (32) अपनी मां मलका बी के साथ चिमली गांव में आयोजित पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे. दोपहर में बाइक से घर जाते समय सांवेर के पास एक मोड़ पर चंद्रावतीगंज की ओर से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी.

हादसे में पुलिस आरक्षक की मौत

- एसपी के स्टेनोग्राफर गंभीर घायल, भोपाल रेफर
- रायसेन में खड़े ट्रक से स्कूटी भिड़ी

रायसेन, 2 मई. मुख्यालय पर बीती रविवार -सोमवार की रात 12.30 बजे रायसेन बाईपास गोपालपुर चौराहे पर खड़े एक ट्रक से स्कूटी सवार आरक्षक एवं एसपी के स्टेनोग्राफर की हुई भिड़त में युवा आरक्षक की घटना स्थल पर हुई मौत, स्टेनोग्राफर गंभीर रूप से हुए घायल जिन्हें भोपाल रेफर किया गया.

एडिशनल एसपी कमलेश खरपुशे ने बताया कि बीती रविवार -सोमवार की रात करीब 12-30 बजे अपनी स्कूटी से रायसेन

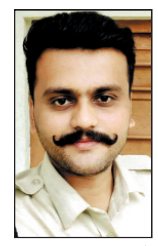

बाईपास गोपालपुर चौराहे से वापिस पुलिस लाइन रायसेन स्थित अपने आवास पर वापिस आ रहे एसपी ऑफिस में पदस्थ एसपी के स्टेनोग्राफर ललित मार्को एवं युवा आरक्षक नमन मुदगल 23 वर्ष पिता स्व. दुर्गाप्रसाद मुदगल निवासी नर्मदापुरम की वहां खड़े एक ट्रक से भिड़त हो गई। जिससे स्कूटी चालाक नमन मुदगल की घटना स्थल पर ही मौत हो गई जबकि स्टेनोग्राफर ललित मार्को को बुरी तरह घायल हो गए। खबर मिलते ही घटनास्थल पर पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता एवं एडिशनल एसपी कमलेश खरपुशे , रायसेन थाना प्रभारी सहित पुलिसबल मौके पर पहुंचा और दोनों को तत्काल लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। यहां डॉक्टर ने नमन मुदगल को मृत घोषित कर दिया जबकि स्टेनोग्राफर ललित मार्को की स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें भोपाल रेफर किया गया है।मृतक युवा आरक्षक नमन मुदगल के पिता दुर्गाप्रसाद मुदगल प्रधान आरक्षक थे ओर वह भी इकलौते थे और उनकी तीन बहनें है।

पिता की आकस्मिक मौत के बाद उनका इकलौता पुत्र 14 वर्षीय नमन मुदगल की बाल आरक्षक के पद पर रायसेन एसपी ऑफिस में अनुकंपा नियुक्ति हुई थी ओर वो तभी से यहीं एसपी ऑफिस में पदस्थ था।

इन्वेस्ट इंडिया के आंकड़ों में मध्यप्रदेश रोजगार सृजन में देश का अग्रणी राज्य

भोपाल, 2 मई. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग की राष्ट्रीय निवेश प्रोत्साहन एवं सुविधा एजेंसी इन्वेस्ट इंडिया द्वारा जारी ताजा निवेश आंकड़ों में मध्यप्रदेश रोजगार सृजन के मामले में देश में अग्रणी राज्य के रूप में उभरा है।

यह जानकारी भारत सरकार द्वारा जारी आधिकारिक जानकारी में सामने आई है, जो देश में निवेश के बढ़ते दायरे और राज्यों की भूमिका को रेखांकित करती है। राष्ट्रीय रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से घोषित किया गया है कि रोजगार सृजन में मध्यप्रदेश समूचे देश में आंध्र प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और महाराष्ट्र को पीछे छोड़कर शीर्ष स्थान पर रहा है. यह उपलब्धि राज्य में विकसित हो रहे निवेश अनुकूल वातावरण, अधोसंरचना विस्तार और उद्योगोन्मुख नीतियों का परिणाम मानी जा रही है. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में वर्ष-2025 को म.प्र. में रोजगार और उद्योग वर्ष घोषित किया गया। मध्यप्रदेश में निवेश संवर्धन को प्राथमिकता दी गई है. देश और विदेश में आयोजित इन्वेस्टर मीट, रोड-शो और संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से निवेशकों से सीधा जुड़ाव स्थापित किया गया है. साथ ही रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की श्रृंखला के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार सुनिश्चित किया गया है. इन्वेस्ट इंडिया के ये आंकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के सकल प्रयासों से मध्यप्रदेश न केवल निवेश आकर्षित करने में सक्षम है.

60 निवेश परियोजनाओं को जमीन पर उतारने का प्रयास

विद्यार्थियों के प्लेसमेंट पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जिससे युवाओं को सीधे रोजगार से जोड़ने में मदद मिल रही है. रोजगार मेलों और युवा संगम जैसे आयोजनों के माध्यम से भी बड़ी संख्या में युवाओं को अवसर प्रदान किए जा रहे हैं।वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान इन्वेस्ट इंडिया ने 6.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य की 60 निवेश परियोजनाओं को जमीन पर उतारने में सहयोग किया है।

एक नजर में

वीरेंद्र गोयल सिंगरौली विकास प्राधिकरण का अध्यक्ष नियुक्त

सिंगरौली, 02 मई. वीरेंद्र गोयल सिंगरौली विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष नियुक्त भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला अध्यक्ष तथा प्रदेश कार्य समिति सदस्य वीरेंद्र गोयल को सिंगरौली विकास प्राधिकरण का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है. इनके इस नियुक्ति पर भाजपा के कार्यकर्ताओं में एक नया जोश दिखाई देने लगा है. शनिवार की सुबह से ही बधाई देने वालों का ताता लगा हुआ है.

पुलिसकर्मी ने मचाया हंगामा, युवक को पीटा

जबलपुर,02 मई. बरेला थाने में पदस्थ एक पुलिसकर्मी ने शराब के नशे में न केवल हंगामा मचाया बल्कि एक ग्रामीण युवक की सरेराह पिटाई भी कर दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक बरेला थाने में पदस्थ पुलिसकर्मी पतिराम मरकाम सरकारी डायल 112 वाहन लेकर सलैया प?वार गांव पहुँचा था। ग्रामीणों का आरोप है कि पतिराम इस कदर नशे में धुत था कि वह अपनी सुध-बुध खो चुका था।सड़क पर वाहन ख?ा कर वह बिना किसी कारण के ग्रामीणों से उलझने लगा और हंगामा खड़ा कर दिया.

तुलाई के नाम पर ले रहे थे 5 किलो गेहूं

कलेक्टर-एसपी के सामने किसानों के आरोप, एफआईआर के निर्देश

नवभारत, न्यूज

दमोह.कलेक्टर प्रताप नारायण यादव और एसपी श्रुत कीर्ति सोमवंशी के द्वारा शनिवार दोपहर पथरिया ब्लाक के चंपत पिपरिया गेहूं खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया. जहां उन्हें काफी अनियमिताएं मिली हैं.

किसानों ने कलेक्टर के सामने खुलकर आरोप लगाया कि उनसे तुलाई के नाम पर पैसे लिए जा रहे हैं. साथ ही अधिक अनाज भी उनसे लिया जा रहा है. जैसे ही कलेक्टर के सामने यह बात आई उन्होंने तत्काल एफआईआर के निर्देश दिए. जहां तत्काल ही खाद्य आपूर्ति से आदित्य दाहिया, प्रिया कोष्ठी ने पहुंचकर एफआईआर करने नरसिंहगढ़ चौकी पहुंचे.कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से

सभी किसानों से कहा है कि किसी को कहीं कोई पैसा नहीं देना है. यदि कोई पैसा मांगता है तो तत्काल इसकी सूचना उनके पास पहुंचाई जाए.इस दौरान अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की भी मौजूदगी रही. किसान श्रीराम पटेल ने आरोप लगाया कि चंपत पिपरिया गेहूं खरीदी केंद्र पर किसानों से अधिक मात्रा में तुलाई के नाम पर गेहूं लिया जा रहा है. वहीं किसानों को पल्लेदारी के नाम पर 100 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से वसूली की जा रही है.

खेत की तार फेंसिंग में फंसने से तेंदुए की मौत

पंचनामा बनाने के बाद किया अंतिम संस्कार

देवरी/रायसेन, 2 मई.जिले के देवरी वन परिक्षेत्र क्षेत्र अंतर्गत ग्राम डुंगरिया में शनिवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब एक तेंदुआ खेत की तार फेंसिंग में मृत अवस्था में फंसा मिला. वन मंडल अधिकारी प्रतिभा शुक्ला के अनुसार डुंगरिया गांव में रमेश आदिवासी का खेत जंगल क्षेत्र से सटा हुआ है. खेत की सुरक्षा के लिए लगाए गए तार फेंसिंग में तेंदुआ उलझा हुआ पाया गया.

प्रथम दृष्टया आशंका जताई जा रही है कि तेंदुआ जंगल से भटककर खेत की ओर आ गया होगा और इसी दौरान वह तार की जाली में फंस गया. बाहर निकलने

के प्रयास में वह और अधिक उलझता चला गया. जिससे अंतत: उसकी दम घुटने या गंभीर चोटों के कारण मौत हो गई. घटना की सूचना मिलते ही डीएफओ प्रतिभा शुक्ला, देवरी वन परिक्षेत्र अधिकारी शिरोमणि मीणा, एसडीओपी और देवरी थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे.

अधिकारियों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ की. वन रेंजर शिरोमणि मीणा ने बताया कि तेंदुआ संभवत: रात या सुबह के समय खेत की ओर आया होगा. तार फेंसिंग में फंसने के बाद वह लंबे समय तक छटपटाता रहा होगा, जिससे उसकी मौत हो गई. हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि बाद में पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही हो सकेगी. मौके पर वन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम की मौजूदगी में तेंदुए के शव का पंचनामा तैयार किया गया.

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में फिर मिला बाघ का शव

पचमढ़ी। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में बाघों की मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को पचमढ़ी पूर्व रेंज के अंतर्गत डहालिया-मुआर क्षेत्र में एक बाघ का शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया। जानकारी मिलते ही वन विभाग और टाइगर रिजर्व की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर मौत के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही बाघ की मौत की असली वजह सामने आएगी। लगातार हो रही बाघों की मौत ने वन्यजीव संरक्षण और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा ने पीतांबरा पीठ में की पूजा

दतिया, 02 मई. बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा ने दतिया की प्रसिद्ध पीतांबरा पीठ में पूजा की. शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा ने मां पीतांबरा माई को प्रणाम किया और अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की. शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा के पीतांबरा पीठ पहुंचने पर मंदिर के पुजारियों ने उनका स्वागत किया. शिल्पा और राज ने मंदिर में पूजा-अर्चना की और मां पीतांबरा माई के दर्शन किए.

ग्वालियर में रेबीज से सातवीं मौत

आज एक ही दिन में आए 42 नए मामले, लोगों में दहशत

नवभारत न्यूज

ग्वालियर, 02 मई. जयारोग्य चिकित्सालय के मेडिसिन विभाग में भर्ती एक युवक की आज शनिवार को रेबीज से मौत हो गई। मृतक की पहचान महाणिक की गोठ राक्सी पुल निवासी 36 वर्षीय राजू कुशवाह के रूप में हुई है, जिसे 28 अप्रैल को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

परिजनों के अनुसार, राजू को घर के बाहर कुत्ते ने काट लिया था, जब वह उसे खाना खिला रहे थे। उस समय केवल टिटनेस का इंजेक्शन लगवाया गया था, लेकिन एंटी-रेबीज वैक्सीन नहीं

लगवाई गई। करीब 20 दिन बाद उनमें रैबीज के लक्षण दिखाई देने लगे, जिनमें पानी से डरना और पानी न पी पाना शामिल था। हालत बिगड़ने पर उन्हें हजार बिस्तर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। ग्वालियर में पिछले तीन महीनों में रेबीज के मामलों में तेजी आई है। इस अवधि में आठ लोग इसकी चपेट में आए, जिनमें से अब तक सात की मौत हो चुकी है। पहले हुई मौतों में ग्वालियर की किरण, टीकमगढ़ की 65 वर्षीय सेवाई बाई, दतिया के 6 वर्षीय हंस प्रजापति, छतरपुर के अशोक, मुरार के गोलू और सबलगढ़ के 21 वर्षीय सूरज शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि रेबीज एक जानलेवा और लगभग लाइलाज बीमारी है। जीआरएमसी के पीएसएम विभाग के डॉ. अक्षत पाठक के अनुसार, कुत्ते या बिल्ली के काटने पर तुरंत सरकारी अस्पताल में एंटी-रेबीज वैक्सीन लगवाना जरूरी है, जहां कोल्ड चेन का सही पालन होता है।

भोपाल में मार्केट बंद होने में दो कानून नहीं चलेगा

- पुलिस को सख्ती से अंकुश लगाना आवश्यक-आलोक
- सांसद शर्मा ने पुलिस आयुक्त से की मुलाकात

भोपाल,02 मई. भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि भोपाल में मार्केट बंद होने के दो कानून प्रचलित है, जिस पर पुलिस को सख्ती से अंकुश लगाना चाहिए। उन्होंने कहा पुराने भोपाल शहर में रातभर दुकानें खुली रहती है, जहां पर आपराधिक गतिविधियों को बल मिलता है.

उन्होंने कहा कि ईश्वर ने रात सोने के लिए बनाई है। घर पर अब्बू, अम्मी इंतजार करते हैं कि बेटा आएगा और हमें दवाई देगा लेकिन बेटा तो रातभर बिरयानी की दुकान और मार्केट में ही बिताता है। ये चिंता आज कई परिवारों की है। युवा गलत रास्ता अपना लेते हैं। शनिवार को सांसद आलोक शर्मा ने भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार से मुलाकात कर उन्हें इस आशय का एक पत्र सौंपा है जिसमें भोपाल के सभी मार्केट एक समय पर बंद करने का आग्रह किया है। ज्ञात रहे सांसद शर्मा पूर्व में भी कई बार ये मुद्दा उठाते रहे हैं लेकिन पुलिस की सख्ती न होने के कारण आज भी व्यवस्था वैसी ही है।

सांसद शर्मा ने पुलिस आयुक्त से मुलाकात के दौरान बताया कि अभी भोपाल शहर में दो कानून प्रचलित हैं, न्यू मार्केट, एमपी नगर, संत हिरदाराम नगर, बीएचईएल बरखेड़ा, इंद्रपुरी सोनागिरि, 6 नंबर मार्केट, 10 नंबर मार्केट, लखेरापुरा, सराफा चौक आदि रात में 10 बजे तक बंद हो जाते हैं। जबकि पुराने भोपाल शहर के मार्केट्स काजीकैंप, लक्ष्मी टॉकीज, बसस्टैंड, रेलवे स्टेशन, रॉयल मार्केट जीपीओ, इमामी गेट, राजू टी-स्टाल, जिंसी-जहांगीराबाद, सब्बन चौराहा, इतवारा, बुधवारा में दुकानें रातभर खुली रहती हैं जिससे आपराधिक गतिविधियों को बल मिलता है और शहर की कानून व्यवस्था बिग?ती है। सांसद शर्मा को पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने शहर के सभी मार्केट्स एक समय पर बंद कराने की कार्यवाही सुनिश्चित कराने का आश्वासन दिया है. मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि भोपाल वक्फ की जागीर नहीं है। शहर में कहीं भी डेवलपमेंट के काम करने जाएं तो खड़े हो जाते हैं कि यह वक्फ की जमीन है।

नाती ने रची थी दादी की हत्या की साजिश

सुपारी लेकर आए दोस्त ने पैर छूकर मार दी थी गोली

शिवपुरी. जिले के तेंदुआ थाना क्षेत्र के डेहरवारा गांव में हुई बुजुर्ग महिला रामसखी धाकड़ की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है. पुलिस के अनुसार, इस वारदात का मास्टरमाइंड महिला का नाती निकला, जिसने अपने दोस्त के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी।

तीन युवक बाइक पर सवार होकर डेहरवारा गांव पहुंचे थे. उन्होंने शादी का कार्ड देने के बहाने रामसखी धाकड़ के घर का दरवाजा खुलवाया. जैसे ही महिला बाहर आई, एक युवक ने पहले उनके पैर छुए और फिर तुरंत उनके सिर में गोली मार दी. यह वारदात नातिन के सामने हुई थी. जांच में सामने आया कि रामसखी धाकड़ की शादी लक्ष्मी नारायण लोधी से हुई थी. परिवार के पास करीब 35 बीघा जमीन थी, जिसका बंटवारा पहले ही हो चुका था. रामसखी अपनी हिस्से की जमीन अपने बेटे मुनेश धाकड़ के नाम करना चाहती थीं, जिससे परिवार में विवाद बढ़ गया था. शुरुआत में शक सौतेले बेटों पर गया था, जिन पर नामांतरण का विरोध करने का आरोप था.

उपलब्धि संजय गांधी अस्पताल के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग में मरीजों को मिल रही हैं सुविधाएं

अत्याधुनिक मशीनों का डिप्टी सीएम ने लिया जायजा

भोपाल 02 मई. विंध्य क्षेत्र के सबसे बड़े चिकित्सा केंद्र, संजय गांधी अस्पताल के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग ने चिकित्सा क्षेत्र में एक नई और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। हाल ही में स्थापित अत्याधुनिक मशीनों की सहायता से विभाग ने एक माह से भी कम समय में 61 से अधिक जटिल और चुनौतीपूर्ण प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक संपन्न किया है।

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने स्वयं विभाग का निरीक्षण कर इन उपलब्धियों और स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने उन्नत ईआरसीपी,

एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड, कोलैन्जियोस्कोपी और लिथोट्रिप्सी जैसी मशीनों की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया और विभाग की दक्षता की सराहना की। मध्य प्रदेश के सबसे उन्नत एडवांस्ड गैस्ट्रोएंटरोलॉजी स्किल लैब के माध्यम से अस्पताल ने न केवल अपनी कार्यक्षमता में वृद्धि की है, बल्कि गंभीर रूप से बीमार रोगियों के लिए जीवनदायिनी भी सिद्ध हुआ है। सफल रही 61 प्रक्रियाओं में से एक बड़ी संख्या उन जीवन-रक्षक हस्तक्षेपों की है, जिनमें सक्रिय रक्तस्राव से जूझ रहे मरीजों का समयबद्ध एंडोस्कोपिक हीमोस्टेसिस किया गया। यदि ये आधुनिक सुविधाएं यहाँ उपलब्ध न होतीं, तो मरीजों को अन्य बड़े शहरों के केंद्रों में रेफर करना अनिवार्य हो जाता, जिससे उपचार में देरी के साथ-साथ मरीजों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ और जान-माल का खतरा भी बना रहता।